Simla Chandigarh Diocese

Bishop's House, P.O. Box No: 709, Sector 19-A Chandigarh - 160 019, INDIA.

† Ignatius L. Mascarenhas
Bishop of Simla-Chandigarh

TEL: 0172-2775777, 2773777
FAX: 0172-2781630
EMAIL: bpignatius@gmail.com

चालीसा का समय : धर्माध्यक्ष का संदेश - चालीसा काल: आशा में एक साथ यात्रा

ख्रीस्त में प्यारे भाइयों एवं बहनों,

थोड़ा ठहरीये और सुकून की सांस लिजीये। और जब आप शांत हैं, तो इस शांतिपूर्ण वातावरण में, चालीसा काल हमें आमंत्रित करता है कि, पौ फटने से पहले, हम अपने आप को जाँचे। हमें याद रखना है कि, हम किसी दौड़ में शामिल नहीं हैं, बल्कि हमारी यात्रा ईश्वर के साथ हो है। और प्रभु हमें पुकारते हुए कहते हैं, "पूरे ह्रदय से मेरे पास आओ" (योएल 2:12-13)। चालीसा काल, भेष-भुसा या दिखावे का समय नहीं है, बल्कि यह प्रभु ईश्वर से रुबरु होने का समय है, जब प्रभु ईश्वर हमारे ह्रदय के अदन वाग में आ कर, हमें नवीनीकृत करना चाहते हैं। यह यात्रा हमारे लिए कोई बोझ नहीं है, बल्कि यह उपवास, प्रार्थना, और दान की यात्रा है, जहाँ परिवर्तन का उदय होता है।

उपवास का मतलब केवल खाना छोड़ना ही नहीं है; इसका मतलब है, अपने जीवन के हलचल को शांत करना, और प्रभु ईश्वर की उपस्थिति को जानना। और इसलिए प्रभु येसु कहते हैं, " तुम्हारा पिता, जो अदृश्य को भी देखता है, तुम्हें पुरस्कार देगा।" (मत्ती 6:16-18)। चालीसा काल, दुनिया के रंग रूप से हटकर अपनी आत्मा की आवाज़ को सुनने का एक अवसर है।

संयम हमें स्वतंत्रता को पुनः प्राप्त करने में मदद करता है। संयम का अर्थ है: शरीर, समय और शक्ति के साथ ईश्वर को आदर देना। इसलिए सन्त पौलुस कहते हैं, "आप लोग अपने शरीर में ईश्वर की महिमा प्रकट करें।" (1कुरिन्थियों 6:19-20)। तो जब हम अपने जीवन से अनावश्यक चीजों को हटाते हैं, तो जो हमारे जीवन के लिए जिन आत्मिक चीजों की जरूरत है, उन चीजों को जगह मिलती है।

प्रायश्चित वह झरना है जहाँ हमारी आत्मा के हर दाग धुल जाते हैं। और इसलिए योएल नवी कहते हैं, "अपने प्रभु ईश्वर के पास लौट जाओ: क्योंकि वह करुणामय, दयालु, अत्यन्त सहनशील और दयासागर है" (योएल 2:13)। प्रायश्चित हमारे जीवन से, आक्रोश, अपराध, और उन प्रत्येक चीजों को निकाल देता है, जो हमें ईश्वर की कृपा से वंचित करता है। और इसलिए संत पौलुस कहते हैं, "पुरानी बातें समाप्त हो गयी हैं और सब कुछ नया हो गया है" (2 कुरिन्थियों 5:17)।

ये सब करने के द्वारा, हम प्रभु के पुनरुत्थान की खुशी में शामिल होने के लिए अपने आप को तैयार करते हैं। सन्त योहन सुसमाचार में कहते हैं, "वह ज्योति अन्धकार में चमकती रहती है - अन्धकार ने उसे नहीं बुझाया", (योहन 1:5)। जब हम सर्दियों में बीज लगाते हैं, तो हमारा विश्वास होता है कि इसमें अंकुर निकलेगा, ठिक वैसे ही, प्रभु ईश्वर का प्रकाश हमारे जीवन को रोशन करता है। इसलिए, जो भी हमारे जीवन को उलझनों में डालता है, उसको त्यागना है, और प्रभु ईश्वर के प्रताप के लिए खुद को समर्पित करना है। और जीवन में बदलाव: प्रत्येक दिन, प्रत्येक क्षण, प्रत्येक विचार में होता है।

इस सफर में हम अकेले नहीं हैं, यह एक सामुदायिक यात्रा है। अब हमें यह देखना है, कि क्या हम इस यात्रा में सबको साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं? सन्त पिता फ्रांसिस जी हमें याद दिलाते हैं कि, हम एक साथ यात्रा करने वाले लोग हैं और इसी को हम सिनॉडालीटी कहते हैं जहाँ सभी एक साथ चल रहे हैं। तो इस प्रक्रिया में, क्या हम एक दूसरे को सुन रहे हैं? क्या हम एक दूसरे के लिए सहारा बन रहे हैं? क्या हम दूसरों के लिए उचित वातावरण तैयार कर रहे हैं? क्या हम अपने परिवार, अपने कार्यस्थलों और समुदाय में जोड़ने का कार्य कर रहे हैं? क्या हम इस बात को सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई अकेला तो नहीं रह गया?

प्रभु येसु में अपनी आशा को अटूट बनाये रखिए। प्रभु ने मृत्यु पर भी विजय प्राप्त की है, और इसलिए, रात के अन्धकार में भी सूर्य का उदय होगा। प्रभु की क्षमा पर विश्वास रखें और आशा को अपने जीवन का आधार बनायें। इस संसार में आप न्याय, एकता और संरक्षक का दायित्व निभाये, जहाँ आपके द्वारा पूरी सृष्टि को प्रभु के प्रेमपूर्ण आलिंगन का एहसास हो।

इस चालीसा काल में, हम प्रभु येसु के प्रेम से अनुग्रहित हो, आशा के तीर्थयात्रियों के रूप में एक साथ चलें। चालीसा का समय हमारे लिए सम्पूर्ण नवीनीकरण, रूपांतरण और परिवर्तन का समय हो। माँ मरियम, आशा की माँ, हमारे इस यात्रा में हमारे साथ रहें।

माँ मरियम की मध्यस्थता से, हम विशेष रूप से, हमारे सन्त पिता फ्रांसिस जी के लिए प्रार्थना करते हैं, जो इस समय काफी अस्वस्थ चल रहे हैं। प्रभु की दया उन्हें स्पर्श करे और स्वास्थ्य प्रदान करे।

आइए हम आगे बढ़ें - हम एक साथ चलें। प्रभु येसु का प्रेम और अनुग्रह आप सभी पर, सदा और सर्वदा बना रहे।

Given on 01st March 2025, the Feast of St. David. *This Lenten Pastoral Letter is to be read out or its contents to be explained in Hindi or Punjabi in all Churches on 02.03.2025 8th Sunday in Ordinary Time or 1st Sunday of Lent.*

Yours Sincerely in Christ,

+ [signature]

+Ignatius Mascarenhas
Bishop of Simla Chandigarh

Ignatius L. Mascarenhas
Bishop of Simla-Chandigarh